व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य को पुनः प्राप्त करना:कार्यवाही के लिए एक आह्वान

सहकारिता, सार्वजनिक विश्वास का निर्माण करने और COVID-19 महामारी के प्रभावी अवसरों पर और दुनिया भर के लोगों द्वारा सहन की गई परिणामी पीड़ा और अधिकारों के उल्लंघन पर छूटे अवसरों पर , " व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य को पुनः प्राप्त करने " के हवाले से, हम अधोहस्ताक्षरीत', औरों द्वारा उठाई गयी , चिंताओं को दोहराते हैं।

हम संयुक्त राष्ट्र महासभा में COVID-19 के विशेष अधिवेशन में राज्य और सरकार के प्रमुखों को बुलाते हैं, और उन सभी को जो प्रतिक्रिया को आकार देने में शामिल हैं, जो महामारी के जवाब में व्यापक, इक्विटी-केंद्रित और भागीदारी वाले सार्वजनिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हैं। COVID-19 महामारी और भविष्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए समान रूप से ज्ञान, विषयों और क्षमताओं के विविध स्रोतों का उपयोग करना चाहिए; मानव अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए ; और मार्गदर्शन निम्नलिखित सिद्धांतों द्वारा होना चाहिए:

1. *देशों के भीतर व देशो के बीच, सबसे प्रभावी और न्यायसंगत तरीके से, व्यापक आबादी के स्वास्थ्य संरक्षण और लाभ के लिए, सहयोग, साझेदारी, सहभाजित जिम्मेदारी, नीति संवाद, संचार और एकजुटता पर आधारित सह-विकास और व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य अंतःक्षेप को लागू करना.*

2. *संदर्भ-उपयुक्त महामारी और समसामयिक प्रतिक्रियाओं के विकास, सह-निर्माण सह-कार्यान्वयन और निगरानी के लिए समुदायों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान व अभिकरन को पहचानें। स्वास्थ्य और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं, निर्वाचित नेताओं, स्वयं सेवी संस्थाओं और विविध समुदायों को आवाज़ देने वाले प्रासंगिक प्रतिनिधि, विशेष रूप से वे जो हाशिए पर या कमजोर हैं और जोखिम में हैं उनका सार्थक और सक्रिय जुड़ाव सुनिश्चित करना ,*

3. *स्थानीय भाषाओं में, साक्ष्य आधारित विभिन्न स्रोतों से पायी गई , समय पर , सटीक, सुलभ और विभेदित जानकारी की सार्वजनिक उपलब्धता सुनिश्चित करें। महामारी मॉडलिंग, सामाजिक वितरण को मिलाते हुए रुग्णता और मृत्यु दर , और इस तरह के डेटा की सीमाएं और विविध विश्लेषण एवं व्याख्या, व हस्तक्षेप उपायों, तैनात किए गए संसाधनों, स्वास्थ्य और हस्तक्षेप के प्रभाव के बारे में सार्वजनिक रूप से मान्य जानकारी उपलब्ध कराएं और रिपोर्ट करें। उनकी प्रभावशीलता, न्यायसम्यता, स्वीकार्यता, ग्रहक्ता और स्थानीय स्तर पर स्वामित्व-भाव को बढ़ाने के लिए, लागू करने के उपायों को डिजाइन करने, संवाद स्थापित करने और मूल्यांकन करने के लिए एक विस्तृत आयाम, के समुदायों और कार्यान्वयनकर्ताओं से ज्ञान और साक्ष्य विषयों को साझा करना और उसको महत्व देना। विधायिका और सामाजिक संस्थाओं द्वारा स्वतंत्र और पारदर्शी समीक्षा और अनुक्रिया की निगरानी के अधिकार देना।*

4. *स्थानीय संदर्भों के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें। इसका उद्देश्य सार्वभौमिक और न्यायसंगत जन स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना और सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में जन स्वास्थ्य आवश्यकताओं के लिए आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करना है। समुदायों, कार्यान्वयनकर्ताओं, संगठनों और अधिकारियों के बीच विश्वास का निर्माण करने और उसे बनाए रखने के लिये लैंगिक और सामाजिक इक्विटी, भागीदारी को सुविधाजनक बनाने वाले उपायों का उपयोग करके सार्वजनिक स्वास्थ्य मार्गदर्शन को स्थानीय परिस्थितियों, संदर्भ, संस्कृतियों, साक्ष्यों, विश्वासों और ज्ञान के अनुरूप बनाये।*

5. *जबरदस्ती, सैन्यीकृत हस्तक्षेप; भेदभावपूर्ण उपाय; और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रियाओं में गरिमा को कम करने वाले कार्य से बचें। सुनिश्चित करें कि राष्ट्रीय कानूनों और कार्यप्रणाली , जिनमें आपराधिक कानून भी शामिल हैं, अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मानवाधिकार संधियों और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमों को मान्यता देते हैं और उनका पालन करते हैं। महामारी को रोकने, नियंत्रित या कम करने के उपायों को लागू करते समय भय या चिंता को न बढ़ाये, भेदभाव, मनमानी, लोगों की स्वतंत्रता को सीमित न करें, और न ही निष्कासन, मनमानी गिरफ्तारी, नज़रबंदी या अन्य प्रकार के निग्रह करे।*

6. *सुनिश्चित करें कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए, जोखिमों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर लगाया प्रतिबंध संयुक्त राष्ट्र के सिराकुसा सिद्धांतों के अनुरूप है। प्रतिबंध एक सार्वजनिक स्वास्थ्य उद्देश्य के साथ स्पष्ट, वैध, आनुपातिक और वैज्ञानिक होना चाहिए। उन्हें सामुदायिक भागीदारी के साथ विकसित किया जाना चाहिए, कम से कम प्रतिबंधात्मक लेकिन प्रभावी विकल्प के माध्यम से अच्छी तरह से लक्षित होना चाहिए और एहतियाती सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए। उपाय सीमित अवधि के, मानवीय गरिमा को ध्यान रखते हुए और समीक्षा के अधीन होना चाहिए।*

7. *स्वास्थ्य कर्मचारियों, अन्य फ्रंटलाइन कर्मचारियों व गैर-पेशेवर, अनुबंध और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता और स्वयंसेवक समेत सभी कि उनके परिवारों समेत सुरक्षा, व समर्थन करना। सुरक्षित और आरामदायक काम करने की स्थिति प्रदान करना; व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और संक्रमण नियंत्रण के उपाय; सटीक और समय पर जानकारी, मार्गदर्शन और प्रशिक्षण तक पहुंच; और सामाजिक सुरक्षा के साथ नि: शुल्क परीक्षण, उपचार, देखभाल और मनोसामाजिक सहायता तक पहुंच और कार्यक्षेत्र पर क्षति के लिए मुआवजे की गारंटी सुनिश्चित करें।*

8. *सुनिश्चित करें कि सभी लोग, विशेष रूप से जो लोग सबसे अधिक असुरक्षित हैं, वे वैश्विक सार्वजनिक वस्तुओं के रूप में महामारी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए आवश्यक स्वास्थ्य उत्पादों (व्यक्तिगत सुरक्षात्मक उपकरण , डायग्नोस्टिक्स, चिकित्सीय, टीके और संबंधित प्रौद्योगिकि) का समान रूप से और सुरक्षित रूप से*

उपयोग कर सकते हैं। स्वास्थ्य संवर्धन, रोकथाम और देखभाल के साथ-साथ आजीविका, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा के समर्थन के लिए स्थानीय उत्पादन और नागरिक-नेतृत्व वाली प्रौद्योगिकी और सिस्टम नवोन्मेष के लिए क्षमताओं को बढ़ावा देना, निवेश करना और मजबूत करना। स्थानीय शिक्षण, मूल्यांकन और नवोन्मेष के प्रसार का समर्थन करें। सुनिश्चित करें कि महामारी नियंत्रण के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियां स्वतंत्र हैं, सभी के लिए सुलभ हैं, सिराकुसा सिद्धांत को ध्यान रखते हुए मानव अधिकारों का सम्मान करती हैं,, और अन्य उद्देश्यों के लिए इसका दुरुपयोग नहीं किया जाता है।

9. *जोखिम और भेद्यता के सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरण निर्धारकों को संबोधित करने के लिए बहु-क्षेत्रीय कार्यों को लागू करना और निगरानी करना। उन सभी लोगों को व्यापक सामाजिक और आर्थिक सहायता प्रदान करें जिनके अधिकारों और आजीविका को महामारी को नियंत्रित करने के प्रयासों की वजह से प्रतिबंधित किया जा रहा है, भोजन और पानी, स्वच्छता, आश्रय, आजीविका, शिक्षा, डिजिटल पहुंच और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना, जिसमें रोकथाम और देखभाल भी शामिल है। मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं, अकेलेपन, लिंगभेद हिंसा और अन्य प्रकार के दुर्व्यवहारों को रोकने के लिए प्रतिबद्ध होना। इस तरह के कार्यों के प्रभाव का आकलन करने के लिए नागरिक समाज संगठनों, मीडिया और विधानसभाओं को सक्षम करें ताकि प्रभावित लोगों को आवाज दी जा सके और सार्वजनिक रूप से उन स्थितियों की रिपोर्ट की जाए जहां कठोर नियंत्रण लगाए गए हैं लेकिन जहां कम प्रतिबंधात्मक उपाय संभव हैं*

10. *व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य, स्वास्थ्य देखभाल और स्थानीय से वैश्विक स्तर तक सामाजिक सुरक्षा, और प्रणालियों, और अनुसंधान और विकास के लिए वृद्धि, निरंतर और न्यायसंगत पूंजी सुनिश्चित करना, जो उपर्युक्त सिद्धांतों और दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं।*

इन सिद्धांतों और दृष्टिकोणों को स्थानीय से वैश्विक स्तर तक कानूनों, मानकों, प्रणालियों और कार्यों को सूचित करना चाहिए और भविष्य के अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमों और सिराकुसा सिद्धांतों के भविष्य के अपडेट में परिलक्षित होना चाहिए। अपनी भागीदारी के लिए, हम इन सिद्धांतों और दृष्टिकोणों की प्राप्ति के लिए नीचे हस्ताक्षरकर्ताओं के रूप में और ऐसा करने के लिए दूसरों को हमारे साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित करते हैं: